2 थिस्सलुनीकियों

1 पौलुस और सिलवानुस और तीमुथियुस
की ओर से थिस्सलुनीकियों की
कलीसिया[a] के नाम, जो हमारे पिता
परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह में है।
2 हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु
मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति
मिलती रहे।
3 हे भाईयो-बहनो, तुम्हारे बारे में हमें हर
समय परमेश्वर की बड़ाई करनी चाहिए
और यह उचित भी है, इसलिये कि तुम्हारा
विश्वास और आपसी प्रेम बहुत बढ़ता जाता
है। 4 यहाँ तक कि हम खुद परमेश्वर की
कलीसिया[b] में तुम्हारे विषय में आनन्दित
होते हैं, कि जितने सताव तुम सहते हो, उन
सब में तुम्हारा धीरज और विश्वास दिख
रहा है।
5 यह परमेश्वर के सच्चे न्याय का स्पष्ट
सबूत है, कि तुम परमेश्वर के राज्य के
लायक ठहरो, जिस के लिये तुम दुःख भी
उठाते हो। 6 क्योंकि परमेश्वर के पास यह
न्याय है, कि जो तुम्हें दुःख देते हैं, उन्हें
बदले में दुःख दें और तुम्हें जो क्लेश पाते
हो, हमारे साथ चैन दें। 7 तुम जो अभी सताव
में से होकर जा रहे हो, परमेश्वर तुम्हें हमारे
साथ तसल्ली देंगे। उस समय जब कि प्रभु
यीशु अपने सामर्थी दूतों के साथ, धधकती
हुई आग में स्वर्ग से आयेंगे, 8 तब परमेश्वर
को नहीं पहचानने वालों और हमारे प्रभु यीशु
के सुसमाचार को नहीं मानने वालों को सज़ा
देंगे। 9 वे प्रभु के सामने से और उसकी शक्ति
के तेज से दूर होकर अनन्त विनाश का
दण्ड पाएँगे। 10 यह उस दिन होगा, जब वह
अपने पवित्र लोगों के महिमा पाने और सब
विश्वास करने वालों में आश्चर्य का कारण
होने के लिए आएँगे, क्योंकि तुमने हमारी
गवाही पर विश्वास किया।
11 इसलिये हम सदा तुम्हारे लिए प्रार्थना
भी करते हैं, कि हमारे परमेश्वर तुम्हें इस
बुलाहट के लायक समझें और भलाई की
हर एक इच्छा और विश्वास के हर एक
काम को शक्ति के साथ पूरा करें, 12 कि
हमारे परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की
कृपा के अनुसार हमारे प्रभु यीशु का नाम
तुम में महिमा पाए और तुम उसमें।

2 हे भाईयो-बहनो, हम अपने प्रभु यीशु
मसीह के आने और उनके पास हमारे
इकट्ठे होने के विषय में तुम से बिनती करते
हैं, 2 कि किसी आत्मा, या संदेश या ऐसी
चिट्ठी के द्वारा जो कि मानो हमारी ओर से हो,
यह समझ कर कि प्रभु का दिन आ पहुँचा है,
तुम्हारा मन अचानक अस्थिर न हो जाए और
न ही तुम घबराना। 3 किसी तरह से किसी के
धोखे में न आना क्योंकि वह दिन न आएगा,
जब तक विश्वास का त्याग न हो ले और
वह अपराध का पुरुष अर्थात् विनाश का
पुत्र दिखायी न दे, 4 जो विरोध करता है और
परमेश्वर, जिस की इबादत की जाती है, उन

[a] 1.1 चर्च [b] 1.4 चर्च

से अपने आपको बड़ा ठहराता है, यहाँ तक कि वह परमेश्वर के मंदिर[a] में बैठ कर अपने आपको परमेश्वर प्रगट करता है।

5 क्या तुम्हें याद नहीं, कि जब मैं तुम्हारे यहाँ था, तो तुम से ये बातें कहा करता था? 6 और अब तुम जानते हो, कि उसे क्या रोक रहा है, कि वह अपने ही समय में प्रगट हो। 7 क्योंकि अनाचार[b] का रहस्य अभी भी जारी है, पर अभी एक रोकने वाला है और जब तक वह दूर न हो जाए, वह रोके रहेगा। 8 तब वह दुष्ट प्रगट होगा, जिसे प्रभु यीशु अपने मुँह की फूँक से मार डालेंगे और अपने आगमन के तेज से भस्म करेंगे। 9 उस अधर्मी का आना शैतान के काम के अनुसार सब तरह की झूठी शक्ति, चिन्ह और अजीब काम के साथ 10 और बर्बाद होने वालों के लिये दुष्टता के सब तरह के धोखे के साथ होगा, क्योंकि उन्होंने सच्चाई को गले नहीं लगाया, जिस से उनका उद्धार हो गया होता। 11 और इसीलिये परमेश्वर उन में एक भटका देने वाली शक्ति को भेजेंगे ताकि वे झूठ को अपना लें, 12 और जितने लोग सच्चाई पर भरोसा नहीं करते वरन् बुराई से खुश होते हैं, सब दण्ड पाएँ।

13 हे भाईयो बहनो, और प्रभु के प्रिय लोगो, हमें तुम्हारे बारे में सदा परमेश्वर का धन्यवाद करते रहना चाहिए, कि परमेश्वर ने शुरूआत से तुम्हें चुन लिया, कि आत्मा के द्वारा पवित्र बन कर और सच्चाई पर विश्वास करके मुक्ति पा जाओ। 14 जिस के लिये उन्होंने[c] तुम्हें हमारे सुसमाचार के द्वारा बुलाया[d], कि तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह की महिमा को हासिल करो। 15 इसलिये हे भाईयो-बहनो, अडिग रहो और जो-जो बातें तुमने क्या वचन, क्या चिट्ठी के द्वारा हमसे सीखी हैं, उन्हें थामे रहो।

16 हमारे प्रभु यीशु मसीह आप ही और हमारे पिता परमेश्वर जिन्होंने हमसे प्रेम रखा और कृपा से अनन्त शान्ति और उत्तम आशा दी है, 17 तुम्हारे मनों में शान्ति दें और तुम्हें हर एक अच्छे काम और बोल-चाल में सयाना बनाएँ।

3 अन्त में, हे भाईयो-बहनो, हमारे लिये प्रार्थना किया करो, कि प्रभु का वचन ऐसा जल्दी फैले और महिमा पाए जैसा तुम में हुआ था, 2 और हम टेढ़े और दुष्ट मनुष्यों से बचे रहें क्योंकि हर एक में विश्वास नहीं है। 3 परन्तु प्रभु सच्चे हैं, वह तुम्हें डावाँडोल नहीं होने देंगे, और उस दुष्ट से बचा कर रखेंगे। 4 हमें प्रभु ने तुम्हारे ऊपर भरोसा है, कि जो-जो आदेश हम तुम्हें देते हैं, उन्हें तुम मानते हो और मानते भी रहोगे। 5 परमेश्वर के प्रेम और मसीह के धीरज के साथ इन्तज़ार करने की दिशा में प्रभु तुम्हारे मन की अगुवाई करें।

6 हे भाईयो-बहनो, हम तुम्हें अपने प्रभु यीशु मसीह के नाम से आज्ञा देते हैं कि हर एक ऐसे भाई से अलग रहे, जिस का चाल चलन सही नहीं है और जो शिक्षा उसने हमसे पाई उसके अनुसार नहीं करता है। 7 तुम स्वयं जानते हो, कि किस तरह तुम्हारा जीवन हमारे जीवन की तरह होना चाहिये था, क्योंकि हम तुम्हारे बीच में अनुचित जीवन नहीं जी रहे थे, 8 हम ने किसी की रोटी मुफ़्त में न खाई, पर मेहनत और कष्ट से रात दिन काम धंधा करते थे, कि तुम में से किसी पर बोझ न बनें। 9 यह नहीं कि हमें अधिकार नहीं था, लेकिन इसलिए कि अपने आपको तुम्हारे लिये आदर्श ठहराएँ

[a] 2.4 भवन [b] 2.7 अधर्म [c] 2.14 परमेश्वर ने [d] 2.14 बचाया

कि तुम हमारी सी चाल चलो। 10 जब हम
तुम्हारे यहाँ थे, तब भी यह आज्ञा तुम्हें देते
थे, कि जो लोग मेहनत नहीं करना चाहते हैं,
उन्हें खाना खाने का भी हक़ नहीं है।
11 हम सुनते हैं कि कुछ लोग तुम्हारे बीच
में अनुचित चाल चलते हैं, और निकम्मे बैठे
रहते हैं, पर दूसरों के काम में हाथ डाला
करते हैं। 12 ऐसों को हम प्रभु यीशु में आज्ञा
देते और समझाते हैं, कि चुपचाप काम करके
अपना खाना खाया करें। 13 हे भाईयो-बहनो,
भलाई करने में पीछे न रहो।
14 यदि कोई हमारी इस चिट्ठी की बात को
न माने, तो उस पर ध्यान देना और उसकी
संगति न करो, जिस से वह शर्मिन्दा हो,
15 तौभी उसे बैरी मत समझना पर भाई जान
कर चेतावनी देना।
16 अब प्रभु जो शान्ति के झरने हैं आप ही
तुम्हें सदा और हर प्रकार से शान्ति दे। प्रभु
तुम सब के साथ रहें।
17 मैं पौलुस अपने हाथ से आशीर्वाद के
शब्द लिखता हूँ, हर चिट्ठी में मेरा यही सबूत
है। मैं इसी तरह से लिखता हूँ।
18 हमारे प्रभु यीशु मसीह की असीम कृपा
तुम सब पर होती रहे।

DUSTY SANDALS
All Rights Reserved. www.dustysandals.com